

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर का 34 वां स्थापना दिवस वर्ष धूमधाम से मनाया गया

भक्तों की लगी भीड़ हजारों भक्तों
ने भंडारे में की शिरकत

भजन कीर्तन मंडलीयों ने
रामधुन में लीन

गोपाल सिंह विद्रोही



सुरजपुर ब्लूरो (दैनिक विश्व परिवार) - लालू भारत विश्वामपुर का धार्मिक एवं आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर का स्थापना दिवस प्रतिवर्ष अनुषासन वर्ष धूमधाम से मनाया गया। विश्वामपुर के बस स्टैंड दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर का 34 वां स्थापना दिवस पर हनुमान भक्तों ने मंदिर एवं मंदिर की तरह सजाकर कई विविध धार्मिक अनुषासन का आयोजन रखा। जिसमें क्षेत्र वासियों ने बहु चढ़कर हिस्सा लिया। भजन मंडली 24 घंटे भजन कीर्तन एवं रामचरित मानस एवं परिसर को दुल्हन की तरह सजाकर कई विविध धार्मिक अनुषासन का आयोजन रखा। विश्वामपुर के बस स्टैंड दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर का 34 वां स्थापना दिवस पर हनुमान भक्तों ने मंदिर एवं मंदिर की तरह सजाकर कई विविध धार्मिक अनुषासन का आयोजन रखा। जिसमें क्षेत्र वासियों ने बहु चढ़कर हिस्सा लिया। भजन मंडली 24 घंटे भजन कीर्तन एवं रामचरित मानस गान किया तो वही हनुमान भक्तों ने भव्य भंडारा का आयोजन किया।

भजन मंडलीयों द्वारा भजन प्रस्तुति पर रात भर झूमते रहे भक्ति-रामचरित मानस गान मडली के कृष्ण चंद्र मिश्र

, सुरेश सिंह चंद्रेल, सुरेंद्र तिवारी, महेंद्र राजवाडे, शैलेश चौबे, और प्रकाश उपाध्याय, परितोष कुमार, पूर्ववासी, जी एवं तिवारी आदि भक्तों ने विभिन्न वाद्य यंत्र पर अखंड रामगान की प्रस्तुति दी। भजन मंडली के सदस्यों ने 24 घंटे अखंड कीर्तन के साथ-साथ रामचरितमानस एवं अन्य भजन की प्रस्तुति दी। जिसमें दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर के भक्त झूमते रहे।

विभिन्न धार्मिक अनुषासन भक्तों

हनुमान जी का दर्शन किया- दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में विभिन्न धार्मिक अनुषासन पर्वत बालकशन गण, मंदिर के सुख पुजारी भौला महाराज सहित विजय महाराज, सौन महाराज, इंद्र कुमार महाराज, पुरीत, सक्षम, आदित्य आदि ब्राह्मणों ने वैदिक मित्रों के साथ विविध

धार्मिक अनुषासन कराया। मंदिर में भक्तों

की भीड़ उमड़ी। इक जनों ने इन ब्राह्मणों

से अपना अपना धार्मिक अनुषासन संपन्न कराया।

महिलाओं और पुरुषों ने भंडारा का

कमान संभाला 5000 से अधिक भक्तों

ने भंडारा में हुए समिलित - दक्षिणांशु विविध धार्मिक अनुषासन कराया। मंदिर में भक्तों

की जानकारी दी गई। इस दौरान रिटर्निंग

आचार संहिता की दी गई जानकारी

शासकीय एवं सार्वजनिक स्थानों जैसे स्कूल,

शासकीय भवन एवं कार्यालय का उपयोग

निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को गोयल

क्रमांक-2 में नार पालिक निमां रायगढ़

अंगरेज महापौर एवं पार्वद के निर्वाचन लड़ने

वाले सभी अध्यर्थियों को रिटर्निंग ऑफिसर्स

द्वारा आश्रम संहिता के संबंध में

विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान रिटर्निंग

ऑफिसर रवि राही, राकेश कुमार गोलखा, श्री

प्रवीण तिवारी, रेखा चंद्र उपस्थित रही।

रिटर्निंग ऑफिसर्स ने अध्यर्थियों के आदर्श

आचार संहिता के संबंध में जानकारी देते हुए

बताया कि निर्वाचन के दिन या उसके

एक दिन पूर्व सार्वजनिक सभा नहीं किया जा सकता।

इसके अलावा मंदिर केंद्रों में या

उसके आसपास निर्धारित सीमा के अंदर मत

याचना करना प्रतिवर्धित होगा। वहाँ मंदिर

केंद्रों में अध्यर्थियों द्वारा अधिकृत की एपीएस नोटर्सीन ने अध्यर्थियों के आदर्श

आचार संहिता के संबंध में जानकारी देते हुए

बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम

1951 की धारा 123 के तहत निर्वाचन को

प्रभावित करने के लिए रिक्त, प्रलोभन या धर्म, जाति,

समूदाय या भाषा के आधार पर मंदिर को फड़ना, इवाई मरीनों के छेड़छाड़ के

संबंध में अपराधिक धाराओं की भी जानकारी दी।

उल्लंघन होगा। इसके साथ ही किसी भी

जानकारी दी।

संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन चुनगढ़ी में किया गया



संकुल प्राचार्य संतीश पांडे संकुल सम्मन्यक महेश प्रताप सिंह, प्रधान पाठक अशोक तिवारी, प्रधान पाठक रामनाथ सिंह, शिक्षक रामनाथ सिंह, प्रदीप बाखला, आशिक पन्ना, हरविंदर कौर, श्रीमती अरुणा, दीक्षित, निशा, खेलवार मैडम सक्रिय रहे। इस अवसर पर चुनगढ़ी विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गीत गाया एवं अतिथियों का स्वागत किया। इस संकुल स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता में चुनगढ़ी संकुल के सभी बच्चों ने विद्यालयों के बच्चों के बच्चों ने कबड्डी में जीत दर्ज किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के खेल खुद बच्चों ने क्रियाकारी रूप से साथ देते हुए अपनी खेल विद्यालय के बच्चों ने कबड्डी में जीत दर्ज किया। इस अवसर पर बच्चों ने कबड्डी में सभी बच्चों के साथ ही 100 मीटर 200 मीटर दौड़ के साथ चम्चर दौड़, बोरा दौड़, जलेवी दौड़, बोरा दौड़, जलेवी दौड़ आदि स्पर्धाएं भी आयोजित किये गए जिसमें कबड्डी में तेलगांव विद्यालय के बच्चों ने चुनगढ़ी संकुल के बच्चों ने कबड्डी में जीत दर्ज किया। इस अवसर पर बच्चों ने कबड्डी में सभी बच्चों के साथ ही 100 मीटर 200 मीटर दौड़ के साथ चम्चर दौड़, बोरा दौड़, जलेवी दौड़ आदि स्पर्धाएं भी आयोजित किये गए तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर बच्चों ने कबड्डी में जीत दर्ज किया। इस अवसर पर बच्चों ने कबड्डी में सभी बच्चों के साथ ही 100 मीटर 200 मीटर दौड़ के साथ चम्चर दौड़, बोरा दौड़, जलेवी दौड़ आदि स्पर्धाएं भी आयोजित किये गए तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

इस संकुल प्रतियोगिता में मलगा तेलगांव, चुनगढ़ी, बांधपार, उरांव पाठा आदि विद्यालय के छात्रों ने सम्मानित किया गया।

संपादकीय दुनिया

धर्माधारित विवादित बयान परंपरा.....

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा है कि अहिंसा की अवधारणा की रक्षा के लिए कभी-कभी हिंसा जरूरी होती है। गुजरात विश्वविद्यालय के हिन्दू आध्यात्मिक सेवा मेला के उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा, हिन्दू सदा ही अपने धर्म की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपने धर्म की रक्षा के लिए हमें वे काम भी करने होंगे, जिन्हें दूसरे अधर्म करार देंगे और हमारे ऐसे काम हमारे पूर्वजों ने किए थे। जोशी ने महाभारत का हवाला देते हुए कहा कि पांडवों ने अधर्म को खत्म करने के लिए युद्ध के नियमों की अनदेखी की। हालांकि वसुधैव कुटुंबकम को आध्यात्मिक अवधारणा बताते हुए उन्होंने पूरी दुनिया को एक परिवार मानने की बात भी की। संघ नेता के विचारों में विरोधाभास स्पष्ट है। एक तरफ वह हिंसा की बात कर रहे थे। दूसरी तरफ हिन्दू धर्म के केंद्र में मानवता की बात उठाई। संघ के पदाधिकारियों द्वारा कुछ अंतराल के बाद धर्माधारित विवादित बयान दिया जाना परंपरा बन चुकी है। चूंकि संघ की विचारधारा हिन्दुत्व के प्रचार और हिन्दू राष्ट्र को कठोरतापूर्वक लेकर चलती है; इसलिए वे ऐसे हथकंडे अपना कर बहुसंख्याकों को प्रभावित करने में कोई कोताही नहीं करना चाहते। एक तरफ वसुधैव कुटुंबकम जैसे जुमले का प्रयोग और उसके साथ ही हिंसा की बात करना तर्कसंगत नहीं लगता। दूसरे, पांडवों-कौरवों के युद्ध की यहां आवश्यकता स्पष्ट नहीं हो रही। हिन्दुत्व और सनातन हिन्दू धर्म के मर्म को देशवासी भले ही अपरोक्ष तौर पर न समझते हों परंतु वे इस बहकावे में ज्यादा देर नहीं अटके रहते। जैसा कि जोशी ने स्वयं कहा, यह आध्यात्मिकता है, जीवनशैली है। मगर इसमें हिंसा का कोई स्थान नहीं है। संघ प्रमुख रहे मोहन भागवत का कहना था, बल प्रयोग, उग्रवाद, आक्रामकता, अन्य देवताओं का अपमान हमारे देश की प्रकृति में नहीं है, यह अस्वीकार्य है। परंतु जब भी हिंसा की आड़ लेने की बात की जाती है, सिक्के का दूसरा पहलू भी उजागर हो जाता है। जनता को उकसाने, भड़काऊ बयानबाजी करने या धार्मिक उन्माद फैलाने को मकसदहीन नहीं ठहराया जा सकता। बीते कुछ वर्षों में जनता को बरगाले के ये फॉमरूले चूंकि काफी कारगर रहे हैं, इसलिए विवादित धार्मिक संगठन इन्हें त्यागने का इरादा नहीं जुटा पाते प्रतीत हो रहे हैं।

आलेख

दिल्ली में किसकी सत्ता

अमरद्रू कुमार राय

दिल्ली में पाच फरवरी को मतदान है, और आठ तारीख को नंतरों की घोषणा। तीन तारीख तक चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा। बाबजूद इसके कोई भी बताने की स्थिति में नहीं है कि दिल्ली में किसकी सरकार बनने जा रही है। इसकी कुछ वजहें हैं। जो कुछ पिछले लोक सभा चुनाव, हरियाणा विधानसभा चुनाव और उससे भी बढ़ कर महाराष्ट्र चुनाव में हुआ, उसके बाद किसी की हिम्मत नहीं हो रही है कि खुल कर बता दे कि दिल्ली में किसकी सरकार बनने जा रही है। किसको कितनी सीटें मिल रही हैं। इससे पहले आप ने देखा था कि चुनाव से बहुत पहले से कई सर्वे एजेंसियां बताने लगती थीं कि अमुक पार्टी या गठबंधन को बढ़त है, और फलां को इतनी सीटें मिल रही हैं। लोक सभा चुनावों में कुछ एजेंसियों ने बीजेपी के अकेले 350 से ज्यादा सीटें जीतने की घोषणा की लेकिन बीजेपी 240 पर ही अटक गई। बाद में यह भी सामने आया कि चुनाव आयोग ने खेल न किया होता, निष्पक्ष चुनाव हुए होते तो बीजेपी की सीटों की संख्या 180 पर सिमट गई होती। हरियाणा के चुनाव में कोई सर्वे एजेंसी नहीं कह रही थी कि बीजेपी जीत भी सकती है, बल्कि वे कांग्रेस की बंपर जीत और बीजेपी की बुरी हार का दावा कर रही थीं। लेकिन नवीजे बिल्कुल विपरीत आए। बीजेपी ने 48 सीटें जीत कर रिकॉर्ड बना दिया। 2014 के चुनावों में जब नेरेन्द्र मोदी की आंधी चल रही थी तब भी बीजेपी हरियाणा में 45 सीटें पार नहीं कर पाई थी। 2019 के चुनाव में तो वह 40 सीटों पर ही सिमट गई थी। लेकिन 2024 में उसकी निश्चित हार, वह भी बुरी तरह दिख रही थी, के आकलन के बाबजूद उसने 48 सीटें जीत कर रिकॉर्ड बना दिया। महाराष्ट्र में तो और भी बुरा हाल हुआ। कुछ महीने पहले हुए लोक सभा चुनाव में जिस कांग्रेस, शिवसेना उद्घव ठाकरे गुट और एनसीपी शरद पवार वाले गुट ने एनडीए को बुरी तरह पटखनी दी थी, वह विधानसभा चुनाव में बुरी तरह जा सका। उन्होंने उन्होंने ऐसी सीटें जीती हैं जो भवित्वात्मकी तरीके से उन्होंने पहले व्यापक बजट है और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया आठवां बजट है। यह बजट विकसित भारत अं2047 के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है, जो राष्ट्रीय अर्थिक परिवृत्ति में नई ऊर्जा और आशा का संचार करता है। इसकी वित्तीय रणनीति नवाचार, समावेश और निवेश के सिद्धांतों पर आधारित है। बजट में दस प्रमुख विकास फोकस क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है, जिनमें कृषि और उत्पादकता, ग्रामीण समृद्धि, समावेशी विकास, विनिर्माण एवं %में इन इंडिया%, एमएसएमई समर्थन, रोजगार सुरक्षा और नवाचार, ऊर्जा सुरक्षा, निर्यात संवर्धन और नवाचार को बढ़ावा देना शामिल है। इन क्षेत्रों में निवेश से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक स्थिरता और सतत विकास का मार्ग प्रशस्त करने में सहायता मिलेगी। प्रत्येक वर्ष बजट से प्रमुख अपेक्षाओं में से एक आयकर सुधारों से संबंधित होती है, विशेष रूप से वेतनभोगी करदाताओं के लिए। केंद्रीय बजट 2025 में प्रस्तावित नई कर दरें इस प्रकार हैं: 4,00,000 रुपये तक की आय पर कोई कर नहीं; 4,00,001 रुपये से 8,00,000 रुपये तक की आय पर 5 प्रतिशत कर; 8,00,001 रुपये से 12,00,000 रुपये तक की आय पर 10 प्रतिशत कर; 12,00,001 रुपये से 16,00,000 रुपये तक की आय पर 15 प्रतिशत कर; 16,00,001

हर गया। कहा तो इनके दो सांसारिक जीवन का आरंभ हो गया। कहा तो इनके दो सांसारिक जीवन का आरंभ हो गया। कहा तो इनके दो सांसारिक जीवन का आरंभ हो गया।

भारत के लिए ललित गर्ग

पड़ सब सद्व्यवन देश के 2015 में दौरान प्रयासों दो दो हस्ताक्षर कहते हैं तक 32 कर दी खुली संबंध बचे इल बांग्लादेश डाल कर को नव मन्त्रालय प्रणय व तो इसके कारबाई हाईकमिअन अपना सीमाओं के खुले अवैध दृ स्मगलिंग आतंकवाही हैं। विआतंकवाही का जीत का आधार बताया गया।

डॉ. विनोद सेन

मध्यम वर्ग के लिए बजटः विकसित भारत 2047 का मार्ग

रुपये से 20,00,000 रुपये तक का आय पर 20 प्रतिशत कर; 20,00,001 रुपये से 24,00,000 रुपये तक की आय पर 25 प्रतिशत कर; और 24,00,000 रुपये से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत कर। ये संशोधित कर स्लैब मध्यम आय वर्ग को महत्वपूर्ण राहत प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, साथ ही अर्थव्यवस्था में उपभोग को बढ़ावा देने के लिए भी। नई कर व्यवस्था कर छूट की सीमा को बढ़ाती है, कर दरों में संशोधन करती है, और करदाताओं की वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयासरत है प्रत्यक्ष कराधान के अलावा, कस्टम ड्यूटी के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। विशेष रूप से, जीवनरक्षक दवाओं, जिनमें कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों के उपचार शामिल हैं, पर सीमा शुल्क से छूट दी गई है। यह बजट स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैसे एलसीडी और एलईडी टेलीविजन की कीमतों में कमी आने की संभावना है, जिससे घेरेलू उपयोगकर्ताओं को लाभ होगा और घेरेलू मांग को प्रोत्साहन मिलेगा। केंद्रीय बजट 2025 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए क्रेडिट गारंटी का विस्तार किया गया है, जिसमें करेज सीमा को 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, स्टार्टअप वित्त पोषण की सुविधा के लिए 10,000 करोड़ रुपये का नया कोष आवंटित किया गया है। राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन इस बजट का एक

प्रमुख घटक ह, जो %में इन इडया% पहल के उद्देश्यों को सशक्त करेगा। इसके अलावा, युवाओं की रोजगार क्षमता और तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ाने के लिए पांच राष्ट्रीय कौशल केंद्र स्थापित किए जाएंगे। बजट में लघु उद्योगों (लघु उद्यमों) के लिए वित्तीय सहायता और क्षमता निर्माण उपायों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

प्रमुख आवंटनों में एपएसएमई वित्त योषण के लिए 15,000 करोड़ रुपये, उत्पादन-लिंक इंसेटिव (पीएलआई) योजना के विस्तार के लिए 10,000 करोड़ रुपये, उत्तर क्रेडिट सहायता के लिए 5,000 करोड़ रुपये, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 7,000 करोड़ रुपये, तकनीकी उन्नति के लिए 3,500 करोड़ रुपये और कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए 2,000 करोड़ रुपये शामिल हैं। ये वित्तीय उपाय लघु उद्योगों के विकास की गति को बढ़ाने, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और रोजगार सृजन में योगदान देने का लक्ष्य रखते हैं। किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत ऋण सीमा को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है, जो पहले 3 लाख रुपये थी। यह संशोधन कृषि वित्तयोजना को और अधिक सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उच्च ऋण सीमा किसानों को अपनी उत्पादन लागत को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, नवीन कृषि पद्धतियों को अपनाने और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनावियों का सामना करने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने में सहायक होगी। यह नीति कृषि क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करेगी और

कसाना का वित्तीय स्थिरता का सुधृढ़ करने महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। केंद्रीय बजट 2025-26 विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम का प्रतिनिधित्व करता है, जो फ़सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास^अ की भावना को दर्शाता है। यह बजट रोजगार सृजन, सामाजिक समानता और समावेशी आर्थिक विस्तार को प्राथमिकता देकर आर्थिक स्थिरता और संतुलन को बढ़ावा देता है। कर सुधार, बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, श्रम बाजार सुधार और सामाजिक कल्याण हस्तक्षेप जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके सरकार समावेशी प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा, सतत विकास और वित्तीय क्षेत्र में सुधारों पर जोर एक दीर्घकालिक रणनीति को इंगित करता है, जिसका उद्देश्य समष्टि आर्थिक लचीलेपन और समग्र वृद्धि को सुनिश्चित करना है। सरकार महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक निर्धारकों को संबोधित करके निवेश, औद्योगिक प्रगति और जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने की इच्छा रखती है। निष्कर्षत यह कहा जा सकता है कि केंद्रीय बजट 2025-26 एक दूरदर्शी दृष्टिकोण को मूर्त रूप देता है जो वित्तीय विवेक को विकास संबंधी आवश्यकताओं के साथ एकीकृत करता है। कर राहत उपायों को आर्थिक प्रोत्साहन पहलों के साथ संतुलित करके, यह बजट भारत के 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा के लिए एक मजबूत आधार तैयार करता है।

भारत के लिये खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियाँ

लालत गग

बड़ा सच्चाइ है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की फिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं घटयंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है। बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये-नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्व्यवहार की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमज़ोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी

पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्बावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये। 2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एप्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिशनर नूरुल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है।



दरअसल, बांगलादेश
पाकिस्तान के इशारा
कर विवाद को हवा
पाक से उसकी नज़र
और वहां पाक से भी
सक्रियता देखी गई
स्थितियों में भारत
चिंताओं के लिये
एवं अपनी सीमाओं
चाहिए। पाकिस्तान
व नेपाल के रास्ते ३
भेजने की कोशिशें
अब उसने बांगला
गतिविधियों के लिये
से लगी भारत की रुक्का
कर रहा है तो भारत
होना ही चाहिए। पाक
पर तमाम चौकरी से

समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घाटकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थीं, उसमें उन्होंने मुस्लिम कठूरपथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए हैं, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ-साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाढ़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उक्साने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था।

संक्षिप्त समाचार

गरियाबंद के वार्ड क्रमांक
1 में त्रिकोणीय मुकाबला

गरियाबंद (विश्व परिवार)। नगरपालिका गरियाबंद के वार्ड क्रमांक 1 में कांग्रेस के प्रत्याशी ने पिछले कार्यकाल में जीत हासिल की है। वहीं इस बार जनता की अपेक्षाएँ हैं कि वार्ड पार्षद वार्ड ही का प्रत्याशी रहे। वार्ड क्रमांक 1 में कांग्रेस और बीजेपी के प्रत्याशियों की स्थिति के बारे में जानकारी है कि निर्दलीय प्रत्याशी की बढ़ती लोकप्रियता का उत्तरवदेखन को मिलता है। हालांकि, उपलब्ध स्रोतों में ऐसी कॉलोनी के वार्ड क्रमांक 1 की जानकारी अनुसार जनता का निर्दलीय प्रत्याशी रहे। समर्थन मिल रहा है वहीं भाजपा भी बढ़ चढ़कर जन समर्थन में हिस्सा ले रहे हैं, किंतु कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व पार्षद होने के चलते जनता उन्हें ऊपर भी विचार विमर्श करने पर मजबूर है। जनता के बीच एक ही संकट उत्पन्न हो रहा है कि कांग्रेस प्रत्याशी किसी दूसरे वार्ड से है, जिसके चलते जनता विवास एवं मजबूर है, जनता के मूलाभिक राष्ट्रीय दल कांग्रेस बीजेपी या फिर किसी निर्दलीय प्रत्याशी जनता को साधन में सफल हो पाएगी। निर्दलीय प्रत्याशियों को जनता वार्ड पार्षद के रूप में निर्दलीय करनी चाही तो वहीं यह चुनाव प्रतियोगिता आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि जनता ने किसे पार्षद के रूप में स्वीकार किया है।

आदमखोर हुआ तेंदुआ, अधेड़ का शब्द झाड़ियों में मिली

धर्मतरी(विश्व परिवार)। छठीसगढ़ के धर्मतरी में तेंदुआ के हमले से बुजुर्ग की मौत हो गई। इस घटना के बाद तेंदुआ की मौजूदगी को लेकर इलाके में दहशत का माहौल है, मामले की जानकारी मिलते ही बन विभाग और पुलीस की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के मूलाभिक पूरा मामला उत्तर सिंगापुर वन परिक्षेत्र के बेंद्राचूया गांव की सुबह 5 बजे की बताई जा रही है, जहां सोनारिन देहार के रहने वाले मरमान धूक उम्र 62 वर्ष सायकल में सवार होकर किसी काम से बेंद्राचूया गांव पहुंचा था। इस दौरान वह सड़क किसी बाजार तेंदुआ वाह पहुंचा और बुजुर्ग पर हमला कर मौत के घट उत्तर दिया। गौरतलब है कि जंगली क्षेत्र होने के कारण इलाके में आए दिन तेंदुए द्वारा गाय, बकरी और मूर्गों के शिकार का मामला आते रहता है, वहीं इस क्षेत्र पहले तेंदुआ द्वारा लोगों पर हमला करने का मामला सामने आ चुका है, इस मामले में उत्तर सिंगापुर वन परिक्षेत्र अधिकारी पंचाम साहू ने बताया कि घटना देर रात की है, जहां तेंदुआ के हमले से एक गांव मौत हुई है, बन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई कर रही है, वहीं तेंदुए की मौजूदगी को लेकर बन विभाग की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर लोगों को अलर्ट कर रही है।

मुख्खीरी के शक में नक्सलियों ने की ग्रामीण की हत्या

कांकेर(विश्व परिवार)। नक्सलवाद के खाते के लिए बड़े एंटी नक्सल अभियान चलाए जा रहे हैं। जिसमें लगातार जवानों को सफलता भी मिल रही है। इसकी बोखलाहट में नक्सली ग्रामीणों को निशाना बना रहे हैं। नक्सलियों ने आज एक और ग्रामीणों को पुरिया मुख्खीरी के आरोप में मौत हो गई। अलग-अलग सड़क हादसे में 1 की मौत हुई और 6 लोग घायल हो गए। ये हादसे गुरु थाना क्षेत्र और बालोद थाना क्षेत्र में हुए हैं। गैस सिलेंडर से भरी ट्रक आज सुबह अनियंत्रित होकर नेशनल हाईवे 30 पर पलट गई। हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई, वहीं ट्रक की चपेट में आने से एक युवक घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, यह घटना गुरु थाना क्षेत्र के जातरा गांव की है। जानकारी के मूलाभिक, जगदलपुर से ट्रक गैस सिलेंडर लेकर रायपुर की ओर जा रही थी। जगतरा गांव में एक मंदिर के पास मोरसाइकल चालक को बचाने के चक्रर में ट्रक अनियंत्रित हो गई। जिसके बाद ट्रक ट्रैकर से जटाई और नेशनल हाईवे पर पलट गई। इस हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। वहीं 1 राहग्राम की चपेट में हुए। यह घटना गुरु थाना युवक का गैर प्रैक्टर हो गया, जिसे हार्मिटल भेजा गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जिसे एक और सड़क हादसे में पांच लोग घायल हो गए, बालोद थाना क्षेत्र के ग्राम पड़कीभाट के पास दो बाड़क के बीच आपने से भिड़त हो गई। हादसे में पांच लोग घायल हो गए, तीन को हालात गंभीर बार्ड जा रही है। घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

गैस सिलेंडर से भरा ट्रक पलटा, चालक की मौत

बालोद(विश्व परिवार)। जिले में रविवार की शुरूआत हादसों से भरी रही। अलग-अलग सड़क हादसे में 1 की मौत हुई और 6 लोग घायल हो गए। ये हादसे गुरु थाना क्षेत्र और बालोद थाना क्षेत्र में हुए हैं। गैस सिलेंडर से भरी ट्रक आज सुबह अनियंत्रित होकर नेशनल हाईवे 30 पर पलट गई। हादसे में आने से एक युवक घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, यह घटना गुरु थाना क्षेत्र के जातरा गांव की है। जानकारी के मूलाभिक, जगदलपुर से ट्रक गैस सिलेंडर लेकर रायपुर की ओर जा रही थी। जगतरा गांव में एक मंदिर के पास मोरसाइकल चालक को बचाने के चक्रर में ट्रक अनियंत्रित हो गई। जिसके बाद ट्रक ट्रैकर से जटाई और नेशनल हाईवे पर पलट गई। इस हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। वहीं 1 राहग्राम की चपेट में हुए। यह घटना गुरु थाना युवक का गैर प्रैक्टर हो गया, जिसे हार्मिटल भेजा गया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जिसे एक और सड़क हादसे में पांच लोग घायल हो गए, बालोद थाना क्षेत्र के ग्राम पड़कीभाट के पास दो बाड़क के बीच आपने से भिड़त हो गई। हादसे में पांच लोग घायल हो गए, तीन को हालात गंभीर बार्ड जा रही है। घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

बर्डफ्लू रोग की रोकथाम के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीम गठित

बाहर से आने वाले पोल्ट्री एवं पोल्ट्री उत्पाद की होगी जांच

जगदलपुर(विश्व परिवार)। प्रदेश के रायगढ़ जिले में बर्ड फ्लू रोग की पुष्ट होने के बाद भारत सायन के निर्देशनसार बर्डफ्लू रोग नियंत्रण एवं रोकथाम सम्बन्धी दिशा-निर्देश का पालन किया जाना है। इस दिशा में कलेक्टर हरिस एस के निर्देशनसार संचालक पर्याप्त प्रिक्टिकल्या सेवाएँ द्वारा जिले में पशुधन एवं पश्चियों में बीमारियों के रोकथाम एवं सतर्त निगरानी हेतु रैपिड रिस्पॉन्स टीम का गठन किया गया है। बर्डफ्लू रोग के नियंत्रण एवं सर्वलालंस के लिए सभी एहतियाती पहल किए जाने के निर्देश पर्याप्त चिकित्सा विभाग के अतिरिक्त उपसंचालक सहित वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सा संचालक पर्याप्त प्रिक्टिकल्या आदेश में कहा गया है कि बर्डफ्लू रोग बोर्डर के प्रवेश-प्रवर्तन के देखे जाने वाले क्षेत्र जैसे नेशनल पार्क, राष्ट्रीय अध्यायण, पोखर, झीलों को चिन्हांकित कर उन इलाकों के समीप पोल्ट्री पोल्ट्रीशेन सर्वलालंस एवं सेरो सर्वलालंस हेतु विशेष बीमारीयों का विशेषज्ञ उत्तराधिकारी करते रहे। बर्डफ्लू रोग के नियंत्रण की दिशा में देखे जाने वाले क्षेत्र विभाग से समर्वय स्थापित कर अवसर अप्रवासी पश्चियों के देखे जाने वाले क्षेत्र जैसे नेशनल पार्क, राष्ट्रीय अध्यायण, पोखर, झीलों को चिन्हांकित कर उन इलाकों के समीप पोल्ट्री पोल्ट्रीशेन रायपुर को प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित



करें। विकरीय समाजी विक्रय करने वाले बाजार, पोल्ट्री मार्केट, चेन सप्लाई एरिया, बतख पालन प्रक्षेत्र एवं जंगली व अप्रवासी पश्चियों के इलाकों में विशेष नियरानी सुनिश्चित किया जाए। अचानक पश्चियों यथा बतख, कौवे, कुकुट एवं अप्रवासी पश्चियों की बड़ी संख्या में मृत्यु होने पर बायो-सेक्यूरिटी नियमों का पालन करते हुये मृत पश्चियों का नमूना एकत्र कर रायगढ़ स्टेशन पर्याप्त विशेषज्ञ भौपाल भेजा जाए। बर्डफ्लू रोग के नियंत्रण की दिशा में देखे जाने वाले क्षेत्र जैसे नेशनल पार्क, राष्ट्रीय अध्यायण, पोखर, झीलों को चिन्हांकित कर उन इलाकों के समीप पोल्ट्री पोल्ट्रीशेन सर्वलालंस एवं सेरो सर्वलालंस हेतु विशेष बीमारीयों का विशेषज्ञ उत्तराधिकारी के देखे जाने वाले क्षेत्र जैसे नेशनल पार्क, राष्ट्रीय अध्यायण, पोखर, झीलों को चिन्हांकित कर उन इलाकों के समीप पोल्ट्री पोल्ट्रीशेन रायपुर को प्रस्तुत किया जाए।

आबकारी अमले ने की अवैध शराब जब्त

धर्मतारी(विश्व परिवार)। कलेक्टर सुनी नप्रता गांधी के निर्देश पर जिले में अवैध शराब के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज जिला आबकारी अधिकारी श्री प्रभाकर शर्मा के मार्गदर्शन में ग्राम ग्राम कोइंडिही थाना भागरा में कार्रवाई करते हुए कुल 140 लीटर महुआ शराब जब्त कर अवैध प्रयोगशाला भोपाल भेजा जाए। बर्डफ्लू रोग के नियंत्रण की दिशा में देखे जाने वाले क्षेत्र जैसे नेशनल पार्क, राष्ट्रीय अध्यायण, पोखर, झीलों को चिन्हांकित कर उन इलाकों के समीप पोल्ट्री पोल्ट्रीशेन रायपुर को प्रस्तुत किया जाए।

जगदलपुर की मिलिक्यत हासिल करने लगातार

परिश्रम कर रहे हैं मलकीत सिंह गैटू

संजय मार्केट, इतवारी
बाजार में किया जनसंपर्क



सभी वर्ग के व्यापारियों से
मलकीत ने मांगा समर्थन

जगदलपुर(विश्व परिवार)।

व्यापार समाचार

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री बीते 10 वर्षों में 6 गुना से अधिक बढ़ी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय एसेट मैनेजमेंट इंडस्ट्री में बीते 10 वर्षों में 6 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। इसका एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर दिसंबर 2024 में 66.93 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो कि दिसंबर 2014 में 10.51 लाख करोड़ रुपये था। यह जानकारी शुक्रवार को एक रिपोर्ट में दी गई। पैसिव फंड्स का एयूएम बढ़कर 10.85 लाख करोड़ रुपये हो गया है और कुल मार्केट शेयर में हिस्सेदारी बढ़कर 16 प्रतिशत हो गई है। एक्टिव फंड्स का एयूएम बढ़कर 56.08 लाख करोड़ रुपये हो गया है। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एमओएमसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, कुल एयूएम में इकिटी की हिस्सेदारी सबसे अधिक 60.19 प्रतिशत है इसके बाद डेट की 26.77 प्रतिशत, हाइब्रिड की 8.58 प्रतिशत और अन्य की 4.45 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी के एमडी और सीईओ प्रतीक अग्रवाल ने कहा कि यह विस्तार विभिन्न निवेशकों की जरूरतों को पूरा करने और वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की उद्योग की क्षमता को दर्शाता है। इनोवेशन, टेक्नोलॉजी और जरूरतों के मुताबिक समाधान विकास को बनाए रखने और भविष्य के अवसरों को तलाशने में महत्वपूर्ण होंगे। वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में भारतीय यूप्चुअल फंड इंडस्ट्री में 1,98,000 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया है। इसमें से इकिटी की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही। तिमाही में 84 नई स्कीमें लॉन्च हुई हैं रिपोर्ट में कहा गया कि नेट इनफ्लो में इकिटी सेगमेंट की हिस्सेदारी 69 प्रतिशत से अधिक की थी। वहाँ, डेट फंड्स का नेट इनफ्लो 38,000 करोड़ रुपये से भी अधिक का था। मल्टी एसेट फंड्स में करीब 9,300 करोड़ रुपये और बैलेंस एडवार्टेज फंड्स में 4,800 करोड़ रुपये का इनफ्लो आया है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 वर्षों में डीमैट खातों की संख्या में भी उछल आया है अगस्त 2024 तक 17.10 करोड़ से अधिक डीमैट खाते खोले जा चुके थे। वित्त वर्ष 2014 में यह अंकड़ा 2.3 करोड़ था। इस अवधि के दौरान डीमैट खातों की संख्या में 650 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

खपत बढ़ने का असर! भारत में क्रेडिट कार्ड के उपयोग में हुआ इजाफा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में क्रेडिट कार्ड के उपयोग में सितंबर तिमाही में 34 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जबकि 2023 की समान अवधि में यह आंकड़ा 26 प्रतिशत पर था। इसकी वजह ग्राहकों द्वारा अपनी खपत की जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा क्रेडिट कार्ड से अधिक खर्च करना है। यह जानकारी सोमवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में दी गई। ट्रांसयूनियन सिबिल क्रेडिट मार्केट ईंडिकेटर (सीएमआई) रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की रिटेल क्रेडिट ग्रोथ में सितंबर 2024 को समाप्त हुई तिमाही में हल्की नरमी देखने को मिली है। इसकी वजह लोन मांग वृद्धि की दर में सामान्य गिरावट और अधिकांश लोन उत्पादों में क्रेडिट की आपूर्ति में कमी होना है। ट्रांसयूनियन सिबिल के सीईओ और एमडी, भावश जैन ने कहा, क्रेडिट कार्ड पर खर्च में मजबूत वृद्धि उपभोक्ताओं के बीच इसकी बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है। यह केवल लेनदेन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि क्रेडिट तक आसान पहुंच को भी दिखाती है। जैन ने आगे कहा कि यह लैंडर्स के लिए एक अवसर हो सकता है कि वे ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान करें जिन्हें अपने उपभोग के लिए अतिरिक्त लोन की आवश्यकता है और उन्हें बेहतर और किफायती समाधान उपलब्ध कराएं। रिपोर्ट के अनुसार, पर्सनल लोन में सालाना आधार पर दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई, जो कि सितंबर 2024 में 11 प्रतिशत रही है। यह वृद्धि दर पिछले साल के समान अवधि के आंकड़े 32 प्रतिशत से काफी कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोपहिया वाहनों और प्रॉपर्टी के बदले लोन में भी मजबूत वृद्धि देखी गई है। जैन ने सुझाव दिया, बाजार की बदलती परिस्थितियों का मतलब है कि लैंडर्स को रिटेल लोन वृद्धि के लिए टारगेट एप्रोच अपनाने की आवश्यकता है। नई विश्लेषणात्मक तकनीकों द्वारा पोर्टफोलियो निगरानी लैंडर्स को पूरे भारत में योग्य उपभोक्ताओं को विवेकपूर्ण तरीके से लोन देने में सक्षम बनाएगी, जो आर्थिक गतिविधि और विकास के लिए एक बहुकृत रूप में काम करेगा।

भारतीय स्मार्टफोन मार्केट में आईफोन की हिस्सेदारी में आया बड़ा उछल

गोपाल विठ्ठल बने बोर्ड के कार्यवाहक

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में 2024 में एप्पल आईफोन की बिक्री में सालाना आधार पर 23 प्रतिशत का बढ़ा उछाल देखने को मिला है। साथ ही आईपैड की बिक्री में भी 44 प्रतिशत की मजबूत बढ़त हुई है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) द्वारा आईएनएस को शेयर की गई जानकारी में बताया गया कि 2024 में भारतीय स्मार्टफोन मार्केट में एप्पल आईफोन की हिस्सेदारी बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई है। इसकी वजह स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाना और छोटे शहरों में प्रीमियमाइजेशन का बढ़ता चलन है। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के वीपी (इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप), प्रभु गम ने कहा, कैलेंडर वर्ष 2024 में एप्पल के आईफोन और आईपैड में दोहरे अंक में मजबूत वृद्धि देखने को मिली है। इसकी वजह स्मार्टफोन में प्रीमियमाइजेशन बढ़ना है। इसके साथ ही एप्पल को घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग बढ़ने और रिटेल सेगमेंट के विस्तार का फायदा मिल रहा है। भारत मध्यम वर्ग तेजी से प्रीमियम डिवाइस की तरफ आकर्षित हो रहा है। इसकी वजह केवल लाइफस्टाइल में बदलाव होना ही नहीं, बल्कि एडवांस टेक्नोलॉजी को जल्द अपनाने की आकंक्षा होना भी है। उन्होंने आगे कहा, आईफोन और आईपैड की अपील एप्पल के लिए बाजार वृद्धि का एक प्रमुख चालक बनी हुई है। वर्ष 2025 और उसके बाद भी वृद्धि के लिए पर्याप्त गुंजाइश है। भारत में एप्पल के लिए अभी भी शुरुआती दिन हैं। 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एप्पल की एंट्री भारत के शीर्ष पांच मोबाइल ब्रांड में हो गई थी। वॉल्यूम के हिसाब से कंपनी का मार्केट शेयर करीब 10 प्रतिशत पर पहुंच गया था। प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेटिव (पीएलआई) स्कीम के कारण कंपनी ने घरेलू बिक्री के साथ निर्यात में भी रिकॉर्ड बनाया है। 2024 में एप्पल इंडिया द्वारा 1.1 करोड़ से ज्यादा शिपमेंट की गई है। राम के मुताबिक, आने वाले वर्ष में भारत में एप्पल की वृद्धि मजबूत गति के साथ जारी रहने की उम्मीद है, जो आक्रामक खुदरा विस्तार, टारगेट विपणन रणनीतियों और महत्वाकांक्षी भारतीय बाजार में गहरी पैठ से प्रेरित है।

बदलाव पर आपात्त जताइ था। गावरकर भी इससे बहुत प्रभावित नहीं है। उन्होंने कहा, दुबे चोट लगने के बाद भी अंत तक बल्लेबाजी करते रहे, तो इसका मतलब है कि वे गंभीर

बोर्ड
इससे
दौरान
सदस्य
दूरसं
और
क्षमत
है। उ
एक
अधिक
करत
प्रदान
और
कंपं
और
इसवे
अन्य
के ।



**दुष्टी में हमारा मिशन सिर्फ एक मैच नहीं
बल्कि चैपियंस ट्रॉफी जीतना है : गंभीर**

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में शुरू होने में मात्र 17 दिन शेष हैं। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि उनकी टीम प्रतियोगिता में प्रत्येक मैच जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, न कि केवल चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में जीत हासिल करने पर। 2002 औं 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाले भारतीय क्रिकेट टीम 23 फरवरी को दुबई में पाकिस्तान से भिड़ेगी। मुंबई में बीसीसीआई के वार्षिक पुरस्कार समारोह के अवसर पर गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा हम चैंपियंस ट्रॉफी में

यह सोचकर नहीं जाते कि 23 तारीख का मैच हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि पांच मैच, सभी मैच महत्वपूर्ण हैं। दुर्बई जाने के मिशन चैंपियंस ट्रॉफी जीतना है, न कि केवल एक विशेष मैच जीतना। उन्होंने कहा, लेकिन हाँ, यदि यह चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बीच का एक मैच है तो हम इसे यथासंभव गंभीरता से लेने का प्रयास करेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब दो देश, भारत और पाकिस्तान, एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं, तो जाहिर है कि भावनाएँ बहुत अधिक होती हैं। लेकिन अंत में

यह एक मुकाबला ही रहता है। भारत को 20 फरवरी और 2 मार्च को दुबई में बांगलादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी भिड़ना है। यह मैच आठ टीमों के टूर्नामेंट के नॉकआउट में प्रवेश करने के लिए जीतने बहुत महत्वपूर्ण हैं। गंभीर ने यह भी महसूस किया कि एकदिवसीय विश्व कप की तुलना में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान गलती की बहुत कम गुंजाइश होती है। गंभीर ने कहा, 50 ओवर के विश्व कप की तुलना में चैंपियंस ट्रॉफी एक पूरी तरह से अलग चुनौती है क्योंकि हर खेल सचमच निर्णयिक होता है।

**मारुति सुजुकी की बिक्री तीसरी एमएस धोनी चाहते हैं उन्हें इस खास चीज के लिए
तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़ी**

नई दिल्ली(एजेंसी)। देश की बड़ी कानूनी-मैन्युफैक्रिंग कंपनी मारुति सुजुकी ने बुधवार को वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के नतीजे पेश किए। अब्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 3,727 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3,206.8 करोड़ रुपये था। अधिक बिक्री के कारण कंपनी की ऑपरेशंस से आय सालाना आधार पर 15.7 प्रतिशत बढ़कर 38,764.3 करोड़ रुपये हो गई है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 33,512.8 करोड़ रुपये था। दिसंबर तिमाही में कंपनी का खर्च सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 35,163 करोड़ रुपये हो गया है। स्टैंडअलोन आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले वर्ष की समान तिमाही के आंकड़े 3,130 करोड़ रुपये से 13 प्रतिशत बढ़कर 3,525 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में कंपनी का एकिट

सालाना आधार पर 14.4 प्रतिशत बढ़ 4,470.3 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3,90 करोड़ रुपये था। कंपनी का एविटा मां 11.6 प्रतिशत पर करीब सपाट रहा है। कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसने 36, करोड़ रुपये की अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के आंकड़े 31,860 करोड़ रुपये की अधिक है। मारुति सुजुकी ने नियामित फाइलिंग में कहा कि दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 5,66,213 वाहन बेचे, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में 5,01,207 वाहन बेचे। मारुति सुजुकी ने तीसरी तिमाही में चूंच बाजार में 4,66,993 वाहन बेचे, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में 4,29,422 वाहन बेचे। इस दौरान कंपनी ने 99,220 वाहनों का नियामित भी किया, जो किसी भी तिमाही में अब तक का सबसे अधिक नियामित है।

र नईदिल्ली(एजेंसी)। टीम इंडिया वे पूर्व कसान महेंद्र सिंह धोनी के रिटायरमेंट लिए 5 साल से अधिक वक्त हो गया है, लेकिन ऐसा शायद हमें कोई दिन बीता हो, जब वह खबर में ना रहते हों। अब सोशल मीडिया पर एमएस का एक बीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वो एक दिल छूने वाली बात कहते नजर आ रहे हैं, तो आइए आपको बताते हैं कि माही ने क्या कहा। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी करोड़ों लोगों के आइडियल हैं। उनकी उपलब्धियों पर तो पूरी किताब लिखी जा सकती है। मगर, माही चाहते हैं कि उह्ये उनकी उपलब्धियों के लिए नहीं बल्कि एक अच्छे इंसान के रूप में याद किया जाना चाहिए। हाल ही में नमिता थापर से बातचीत के दौरान माही ने इस इच्छा को जाहिर किया।



जेनेलिया देशमुख ने शेयर किए पुणे
यनाइटेड टीम की जीत के पल

दुबे और राणा के बीच कोई समानता नहीं थी, कनकशन सबस्टीट्यूट फैसले पर सुनील गावस्कर ने कहा

नईदलिली(एजेंसी)। भारत के महान बछेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि चौथे टी20 मैच में शिवम दुबे की जगह हर्षित राणा को कनकशन (सिर में चोट) के कारण सब्स्टीट्यूट के रूप में लेना सही नहीं था। इससे भारत की जीत का आर्कषण कम हो गया। शिवम दुबे को आखिरी ओवर में बछेबाजी के दौरान सिर पर गेंद लगी थी और उन्हें हटा दिया गया। उनकी जगह हर्षित राणा, जो एक तेज गेंदबाज हैं, को टीम में शामिल किया गया था। राणा ने अपने डेब्यू मैच में 3 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया, जिससे भारत ने 182 रन बचाकर 15 रनों से जीत दर्ज की और सीरीज अपने नाम कर ली। लेकिन इंग्लैंड के कप्तान जोस बट्टलर ने इस

A close-up portrait of a man with dark hair, wearing a grey suit jacket over a white shirt. He is looking slightly to his right and is holding a black microphone in his left hand. The background is plain and light-colored.

इंग्लैड को इस फैसले से ठगा हुआ
महसूस करने का पूरा हक है
आईसीसी के नियम 1.2.7 के
अनुसार, कनकशन रिप्लेसमेंट वही
खिलाड़ी होना चाहिए, जो हटाए गए
खिलाड़ी की भूमिका निभा सके और टीम को अतिरिक्त फायदा न मिले
गावस्कर ने इसे क्रिकेट के सबसे
खराब नियमों में से एक बताया।
उन्होंने कहा, अगर कोई बल्लेबाज बाउंसर नहीं खेल सकता और सिर पर चोट लगवा लेता है, तो उसे खेलने का अधिकार ही नहीं होना चाहिए।
उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर कोई खिलाड़ी उंगली या कलाई तोड़ ले, तो उसे सबस्टीट्यूट क्यों नहीं मिलता? फिर सिर पर चोट लगने वाले को क्यों मिले? आईसीसी के नियम 1.2.7 के अनुसार, कनकशन रिप्लेसमेंट वही खिलाड़ी होना चाहिए, जो हटाए गए खिलाड़ी की भूमिका निभा सके और टीम को अतिरिक्त

गोपाल विद्वल बने जीएसएमए बोर्ड के कार्यवाहक अध्यक्ष

A portrait photograph of Rakesh Kapoor, CEO of Zee Media Corporation. He is a middle-aged man with dark hair, wearing a light blue button-down shirt. He is smiling and looking directly at the camera. The background is slightly blurred, showing some greenery and what might be a building or studio set.

एचडीएफसी बैंक व सीईआरएसएआई ने सेंट्रल केवाईसी मिकोर्ट गजियारी पांचालकता कार्यका आयोजित किया।

मोहाली: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंकों एचडीएफसी बैंक और भारत सरकार की कंपनी सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्युरिटाइजेशन एसेट रिकस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट (सीईआरएसएआई) ने सेंट्रल केवाइसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री (सीकेवाईसीआरआर) पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाइसी), 'एंटी मनी लॉन्ड्रिंग' (एएमएल) और सीकेवाईसीआरआर पर उपलब्ध केवाइसी डेटा के उपयोग और सीकेवाईसीआर डेटा का उपयोग करते समय अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करना था, जिससे एक सुरक्षित और पारदर्शी वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो और वित्तीय संस्थानों को धोखाधड़ी और संपत्ति के दोहराव के जोखिम से बचाया जा सके। कार्यक्रम में

आरत के निजी, सार्वजनिक और री बैंकों तथा एनबीएफसी के 100 से वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, य रिजर्व बैंक (आरबीआई), सियल इंटेलिजेंस यूनिट, एरएसएआई तथा एचडीएफसी बैंक वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। एफसी बैंक के कार्यकारी निदेशक वेश जावेरी ने सीईआरएसएआई के पर बात की जो पिछले कुछ वर्षों तथा ग्राहकों के केवाईसी दस्तावेजों कल बिंदु भंडार बन गया है। संगठन स वर्तमान में 7,000 से अधिक रंग संस्थाएं पंजीकृत हैं, जो लगभग करोड़ ग्राहकों को कवर करती हैं, लाभ सभी रिपोर्टिंग संस्थाओं द्वारा जा सकता है। उन्होंने 'सेंट्रल सी' (सीकेवाईसी) के उपयोग के में दिए गए समर्थन के लिए आरबीआई को धन्यवाद भी दिया। सीईआरएसएआई के एमडी और सीईओ श्री उमेश कुमार सिंह ने इस अवसर पर बात करते हुए सीईआरएसएआई को सीकेवाईसी के तहत रिकॉर्ड प्रस्तुत करने की प्रक्रिया तथा ग्राहक पहचान के लिए इसके उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राहक किस प्रकार मिस्ट कॉल के माध्यम से या सीईआरएसएआई की वेबसाइट से उल्लिखित चरणों का पालन करके अपना सीकेवाईसी नंबर प्राप्त कर सकते हैं। श्री सिंह ने मोहाली स्थित बैंक हाउस में यह कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एचडीएफसी बैंक को धन्यवाद दिया। केवाईसी एमएल पर आरबीआई के नवीनतम मास्टर निर्देश के आधार पर सीईआरएसएआई को रिकॉर्ड प्रस्तुत करने से संबंधित अन्य परिचालन मुद्दों पर भी चर्चा की गई और उन्हें स्पष्ट किया गया।

